साहेबगंज जिला अन्तर्गत बड़हरवा प्रखण्ड के सफल कृषक की कहानी उनकी जुवानी

परिचयः–

नाम	:	हरेन्द्र कुमार साहा
पिता	:	श्री हरिबोल साहा
ग्राम	:	पतना
पंचायत	:	पतना
प्रखण्ड	:	बड़हरवा
मुख्य पेशा	:	कृषि एवं बागवानी
कृषि योग्य भूमि	:	चार (4) एकड़

साहेबगंज जिला मुख्यालय से पचपन (55) किलो मीटर दुर अवस्थित बड़हरवा प्रखण्ड के पतना पंचायत के अन्तर्गत मैं श्री हरेन्द्र कुमार साहा एक सफल कृषक हूँ । जिसने अपने खेतों में श्री विधि के धान फसल के अच्छी उत्पादन प्राप्त कर रहा हूँ। तथा अपने क्षेत्र में बसे ग्रामिणों को भी कृषि के नए आयामों के विषय में 'आत्मा' से जुड़ कर अन्य किसानो को भी प्रशिक्षण देने का कार्य कर रहा हूँ। मेरे पास कुल चार एकड़ जमीन है । मैं इस जमीन पर रब्बी, खरीफ तथा सग्जी का भरपुर खेती करता हूँ । इसके ऑलावा और भी बटाई पर खेती करता हूँ। मैं 'आत्मा' साहेबगंज से जुड़ कर बड़ा ही गौरवान्वित महसुस कर रहा हूँ। 'आत्मा' के बिना हमारी खेती ऐसी लग रही थी मानो वह 'आत्मा' हीन हो, किन्तु 'आत्मा' से जुड़ कर मानों मेरी खेतों में वाकई 'आत्मा' आ गई हो। 'आत्मा' से मुझे नये–नये तकनिकों से खेती करने तथा बर्मी कम्पोस्ट खाद बना कर अपने खेतों में डाल कर उर्वरा शक्ति का काफी वृद्धि हुई। श्री विधि से खेती करने का तकनिक मुझे 'आत्मा' से ही मिली है। इस तकनिक से मिले ज्ञान को अपना कर मैं अपने खेतों में खेती करता हूँ। जिसे देखने के लिए हमारे पंचायत के आस–पास रहने वाले कृषक बन्धु बराबर आते रहते है, और मुझसे जानकारी प्राप्त करते है। मुझे कृषक बन्धुओं को अपने अनुभव बाटकर बड़ा आत्म संतोष होता है। मैं कृषक बन्धुओ को भी जो 'आत्मा' के बिषय में नहीं जानते है, उन्हें 'आत्मा' के विषय में जानकारी देता हूँ। तथा 'आत्मा' से जुड़ने के लिए प्रेरित करता हुँ। मेरे खेतों में अभी सिर्फ रब्बी में गेंहूँ लगा हुआ है । मैं अपने गाँव में दो सरकारी पोखर भी डाक पर लिया हुआ हुँ। जिसमें मछली पालन करता हुँ। घर में गाय, बैल एवं बकरी रख्खा हुआ हुँ। जिससे मुझे गाय से दुध बैल हल जोतने एवं बकरी के मल से बरमी कम्पोस्ट खाद तैयार करता हूँ। तथा तैयार बर्मी कम्पोस्ट खाद को बेच कर आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर रहा हूँ। मैं 'आत्मा' की ओर से प्रशिक्षण लेने राँची भी गया हूँ। वहाँ प्रशिक्षण में बहुत सारी नई–नई तकनिकों से खेती करने करने के संबंध में जानकारियाँ प्राप्त हुई है। जिसे मैं अपने खेतों में बराबर उपयोग करता हूँ। 'आत्मा' से जुड़ कर ही मुझे कृषि विज्ञान केन्द्र के बारे में जानकारियाँ मिली। कृषि विज्ञान केन्द्र में भी समय–समय पर आयोजित प्रशिक्षण में भाग लेकर लाभान्वित महसुस कर रहा हूँ। मैं 'आत्मा' के परियोजना निदेशक को धन्यबाद देते हुए 'आत्मा' के समस्त कर्मियों का अपना आभार व्यक्त करता हुँ।

धन्यवाद,